

Newton's Academy मराठी युवकभारती

| Time | : 3 Hours Max. M | arks: 80 | | | | |
|---|--|----------|--|--|--|--|
| कृतिपत्रिकेसाठी सूचनाः | | | | | | |
| (१) | आकलन कृती व व्याकरण यांमधील आकृत्या किंवा चौकटी पेनाने अथवा पेन्सिलीने व्यवस्थित काढाव्यात. | | | | | |
| (२) | स्वच्छता, नीटनेटकेपणा व लेखननियमांनुसार लेखन यांकडे जाणीवपूर्वक लक्ष द्यावे. | | | | | |
| | | | | | | |
| | विभाग १ – गद्य | [50] | | | | |
| कृती | . (अ) खालील उताऱ्याच्या आधारे सूचनेनुसार कृती करा : | (১) | | | | |
| | (१) ऑगस्ट महिन्यात येणारा मराठी महिना व सण — | | | | | |
| | (य) | | | | | |
| | (t) | (२) | | | | |
| | (२) लेखिका अनुराधा प्रभुदेसाई यांना कर्नल झा दहा वर्षांत दोनदा भेटले ती ठिकाणे — | | | | | |
| | (a) | | | | | |
| | (₹) | (5) | | | | |
| | | | | | | |
| | ऑगस्ट महिन्यात श्रावण असतो आणि श्रावण म्हणजे 'राखी पौर्णिमा!' सगळ्यांचा आवडता सण. त्या राखीच्य | | | | | |
| | धाग्यानं बहीण-भावाचं नातं कायमचं घट्ट राहातं. बहिणीच्या भावावरील निरपेक्ष प्रेमाची आणि भावावरील तिच्या रक्ष जबाबदारीची ही भावनिक वीण. मग आपल्या रक्षणकर्त्याला प्रत्यक्ष भेटून राखी बांधली, आशीर्वाद दिले; तर | | | | | |
| | कृतज्ञता व्यक्त होईल आणि राखीचा सन्मान होईल. आमचे एकमत झालं आणि रक्षाबंधनाचा मुहूर्त साधून लोकांन | | | | | |
| | कारगिलला जायचं हे निश्चित ठरवलं. चोवीसजण आमच्याबरोबर यायला तयार झाले आणि सुरू झालं 'मिशन लडाख | | | | | |
| | सैनिकांच्या रेजिमेंटमध्ये जायचं, सैनिकांना भेटायचं; म्हणजे जणू सिंहाच्या गुहेत प्रवेश मिळवायचा होता. | | | | | |
| | खटपटी करून आम्हांला निघण्यापूर्वी १४ कोअरच्या लेहमधील हेडक्वार्टरमधून प्रतिसाद आला. आम्हांला १४ कोअरच्या | | | | | |
| | कर्नल झा यांनी बोलावलं होतं. आमचं मन धास्तावलं; सैन्यदलातील वरिष्ठ अधिकाऱ्यांशी त्यांच्या केबिनमध्ये जाऊन | | | | | |
| | बोलायचं होतं; पण मनातील कित्येक प्रश्नांची भेंडोळी कर्नल झा यांच्या प्रसन्न व्यक्तिमत्त्वापुढे बाद झाली. | | | | | |
| | "तुम्ही लष्कराचं मनोबळ खूर्य वाढवत आहात." अशी पाठीवर थाप मिळाली आणि निघताना दारापर्यंत सो | | | | | |
| | आल्यावर कर्नल झा हात हातात घेऊन म्हणाले, "विसरू नका – वन्स कनेक्टेड, ऑलवेज कनेक्टेड." त्यांचा शब्द पुढील वर्षी आणि थेट दहा वर्षांनीही पाळला अरुणाचलमध्ये भारत-चीन सीमेवर भेटून! | , त्याना | | | | |
| | युक्तरा वया जाारा यट पहा वयात्राहा बाळला जरुगायलमञ्च नारता यात्र सामवर मटूनः | | | | | |
| (ξ) | स्वमत अभिव्यक्ती – | (8) | | | | |
| | "तुम्ही लष्कराचे मनोबळ खूप वाढवत आहात", या वाक्याची यथार्थता स्पष्ट करा. | | | | | |
| <u> </u> | | | | | | |
| 'बहीण-भावाचं अतूट नातं राखी पौर्णिमेच्या सणानिमित्त दृढ होते,' हे तुमच्या शब्दांत लिहा. | | | | | | |
| | (आ) खालील उताऱ्याच्या आधारे सूचनेनुसार कृती करा : | (১) | | | | |
| | कारणे शोधा व लिहा : | | | | | |
| | (१) पाखरांचा चिवचिवाट सुरू झालेला नसतो. (२) | | | | | |
| | (य) कारण — | | | | | |



| पहाटेची वेळ मला फार आवडते. | | | | |
|--|-------------|--|--|--|
| (र) कारण — | | | | |
| (२) उताऱ्यात आलेल्या दोन फुलझाडांची नावे लिहा : | (२) | | | |
| | (4) | | | |
| | | | | |
| (₹) | _ | | | |
| मध्यरात्र केव्हाच उलटून गेलेली असते. उत्तररात्रीनं हलकेच आकाशात पाऊल ठेवलेलं असतं. इतकं हळुवारपणे, | | | | |
| इतकं अलगद, इतकं मुलायम, की कुणाला चाहूलदेखील लागू नये; पण ही चाहूल मला मात्र सहज लागते. तिच्या पावलांची | | | | |
| मंद मंद नाजूक स्पंदनं माझ्या मनात मात्र कुठं तरी उमटत राहतात. जणू त्यामुळंच मग माझा डोळा लागत नाही. पुरेशी झोप | | | | |
| झाली आहे, असं वाटत राहातं. | | | | |
| मी हलकेच उठतो. चूळ भरतो. डायर्निंग टेबलजवळ येतो. त्याच्याजवळची खिडकी हलकेच उघडतो. रात्रीच्या नीरव | | | | |
| शांततेची निद्रा भंग होऊ नये म्हणून. बाहेर पाहातो तो आसमंतात काळाकुळकुळीत अंधार दाटलेला. बागेतल्या साऱ्या | | | | |
| झाडांचा, साऱ्या वेलींचादेखील डोळा लागलेला. त्यांच्यावरची पाखरंदेखील गाढ झोपलेली. त्यांचा चिवचिवाट अजून सुरू | | | | |
| झालेला नसतो; कारण आता फक्त पहाटेचे तीन-साडेतीन तर वाजलेले असतात. का कुणास ठाऊक, ही वेळ मला फार | | | | |
| आवडते. सारं जग साखरझोपेत असतं. साऱ्या चिंता-काळज्या मिटल्या-विरलेल्या असतात. मन कसं समेवर आलेलं असतं. | | | | |
| मला वाटतं, आपलं खरंखुरं मन हेच असतं, जे सुखदु:खांच्या पलीकडे कुठंतरी दूर दूर गेलेलं असतं. आपलंच नव्हे तर या | | | | |
| दुधाळ सायलीचंदेखील. तांबडसर बोगनवेलीचं देखील. केशरी गुलमोहोराचंदेखील जांभुळसर जॅक्रांडाचंदेखील. किरमिजी- | | | | |
| निळसर-पिवळसर इवलाल्या इंद्रधनुष्यी फुलांच्या घाणेरीचंदेखील. पांढऱ्याशुभ्र नि रक्तचंदनी चाफ्याचंदेखील. | | | | |
| (३) स्वमत अभिव्यक्ती – | _ (ጻ) | | | |
| 'पहाटेचे आणि पाखरांचे असलेले जवळकीचे नाते,' तुमच्या शब्दांत वर्णन करा. | | | | |
| C | | | | |
| किं वा | | | | |
| निसर्ग आणि मानव यांच्यातील परस्परसंबंध तुमच्या शब्दांत लिहा. | | | | |
| (इ) खालील उताऱ्याच्या आधारे सूचनेनुसार कृती करा : | (8) | | | |
| (१) कोकणातील बाबल्याच्या नंदनवनाबाबत असलेल्या कल्पना — | (२) | | | |
| (u) | | | | |
| (4) | | | | |
| (₹) | | | | |
| कोकणी खेड्यात झाडामाडांच्या सावलीत राहणाऱ्या तरुणाला विचारून पहा, की बाबल्या, तुझं नंदनवन रे कोणतं? | | | | |

कोकणी खेड्यात झाडामाडांच्या सावलीत राहणाऱ्या तरुणाला विचारून पहा, की बाबल्या, तुझं नंदनवन रे कोणतं? तो सांगेल, 'मुंबईतल्या कारखान्यात नोकरी नि डोकं टेकायला चाळीत हक्काची कोठरी, हेच माझं नंदनवन,' मग भले पाण्याच्या नावाने ठणठणाट असो वा इतर सुविधांच्या नावाने आनंद; पण मुंबईत स्वतःची खोली पाहिजे. तोच त्या कोकण्याचा स्वर्ग. तेच मुंबईतल्या चाळीत खितपत पडलेल्या कामगाराला विचारून पहा. तो तत्काळ सांगेल, 'जो काही मोक्ष आहे तो गावाकडे वस्ती करण्यात आहे!' वास्तविक कोकणी पट्ट्यात खायचे वांधे असतात. घरात भाऊबंदकी असते. पैशांच्या नावाने शुद्ध खडखडाट असतो. गावात मुलाबाळांना शिक्षणाच्या सुविधा नसतात नि गुरांपैकी निम्मी भाकड असतात. सावकारांचे तगादे कायम असतात ते वेगळंच. तरीसुद्धा मुंबईकर कामगारांचं अवघं लक्ष त्यांच्या कोकणातल्या खेड्यात असतं. इकडे शहरवस्तीत सांजवलं, की त्याला गावाकडच्या शांत दिवेलागणीची आठवण येते. गावातल्या मारुतीच्या देवळातला घंटानाद त्याला ऐकू येतो. तिकडे चुलीवर शिजत असलेल्या पिठल्याचा वास त्याला इकडे चिंचपोकळीत छळू लागतो.

(२) मुंबईकर कामगाराला सायंकाळी गावाकडल्या येणाऱ्या आठवणी लिहा.

(२)



| विभाग २ – पद्य | \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | E1 |
|-----------------|---------------------------------------|----|
| 14.11.1 / = 444 | 1 15 | ٩I |

| कृती २. (अ | | नील कवितेच्या आधारे सूचनेनुसार कृती करा : | (८) |
|------------|-------|---|-----|
| | (8) | भारुडातील विंचू हे या विकारांचे प्रतीक आहे — | (२) |
| | | (य) (र) | |
| | | | |
| | (२) | विंचू-इंगळी उतरवण्याचे उपाय – | (२) |
| | | (य) | |
| | | (τ) | |
| | | विंचू चावला वृश्चिक चावला। | |
| | | कामक्रोध विंचू चावला। | |
| | | तम घाम अंगासी आला।।धृ.।। | |
| | | पंचप्राण व्याकुळ झाला। | |
| | | त्याने माझा प्राण चालिला। | |
| | | सर्वांगाचा दाह झाला ।।१।। | |
| | | मनुष्य इंगळी अति दारुण। | |
| | | मज नांगा मारिला तिनें। | |
| | | सर्वांगी वेदना जाण। | |
| | | त्या इंगळीची।।२।। | |
| | | ह्या विंचवाला उतारा। | |
| | | तमोगुण मागें सारा। | |
| | | सत्त्वगुण लावा अंगारा। | |
| | | विंचू इंगळी उत्तरे झरझरां ।।३।। | |
| | | सत्त्व उतारा देऊन। | |
| | | अवघा सारिला तमोगुण। | |
| | | किंचित् राहिली फुणफुण। | |
| | | शांत केली जनार्दनें ।।४।। | |
| | (ξ) | अभिव्यक्ती — | |
| | | 'दुर्जनांची संगत इंगळीच्या दंशाइतकी दाहक आहे, त्यावर सत्संग हा सर्व दाह शांत करणारा उपाय आहे' | |
| | | हे या भारूडाच्या आधारे स्पष्ट करा. | (8) |
| (आ) | खार्ल | नील ओळींचा अर्थ लिहा : | (8) |

कणस भरूं दे जिवस दुधानें देठ फुलांचा अरळ मधानें कंठ खगांचा मधु गानानें आणीत शहारा तृणपर्णां

(8)



(इ) खालीलपैकी कोणतीही एक कृती सोडवा :

काव्यसौंदर्य :

'रडू नकोस खुळे, उठ'! आणि डोळ्यातले हे आसू सोडून दे शेजारच्या तळ्यात नि घेऊन ये हातात नुकतीच उमललेली शुभ्र कमळाची प्रसन्न फुले' वरील ओळींतील भावसौंदर्य स्पष्ट करा.

किंवा

रसग्रहण:

कोणत्या काळी कळेना मी जगाया लागलों अन् कुठे आयुष्य गेले कापूनी माझा गळा ! सांगती 'तात्पर्य' माझें सारख्या खोटचा दिशा: "चालणारा पांगळा अन् पाहणारा आंधळा !" वरील काळ्यपंक्तींचे रसग्रहण करा.

विभाग ३ – साहित्यप्रकार : कथा

[80]

(8)

कृती ३. खालील उताऱ्याच्या आधारे सूचनेनुसार कृती करा :

(2)

(अ) (१) एका वाक्यात उत्तरे लिहा :

| | | (۲) |
|--|--|-----|
| | | |

कथाकथन या लोकप्रिय माध्यमांतून सादर केले जाते

| (य) | • |
|-----|---|
|-----|---|

(र)

कथेचे 'सादरीकरण' ही एक कला आहे आणि योग्य प्रयत्नाने ही कला साध्य होऊ शकते. विविध प्रकारच्या कथांचे मूकवाचन, प्रकट वाचन करण्याचा सराव, विविध कथा लेखकांची / लेखिकांची लेखनशैली समजून घ्यायचा केलेला प्रयत्न, भाषेची जाण, शब्दोच्चार आणि सादरीकरण कौशल्ये यांमुळे कथाकथनाचे तंत्र अवगत होऊ शकते.

अलीकडच्या काळात 'कथाकथन' क्षेत्रात अनेक व्यावसायिक संधी उपलब्ध होत आहेत. कथा-अभिवाचनाचे कार्यक्रम विविध निमित्ताने रंगमंचावरून सादर केले जात आहेत. आकाशवाणी, दूरदर्शन या लोकप्रिय माध्यमांतून सादर केले जाणारे 'कथाकथन' अधिकाधिक लोकांना आकर्षित करत आहे. या पार्श्वभूमीवर कथा-सादरीकरण हा पैलू लक्षणीय ठरतो.

अभिवाचनामुळे कथा श्रोत्यांपर्यंत योग्यप्रकारे पोहोचण्यास मदत होते. कथेचे अभिवाचन एकाच वेळी जर अनेकांकडून केले गेले, तर आवाजाचा एकसुरीपणा टळतो. संवादातील चढउतार, चटपटीतपणा, शब्दफेक यांतील विविधतेचा आनंद श्रोत्यांना मिळतो. कथेतील घटना, प्रसंग, व्यक्तिरेखा यांचे आकलन होण्यास मदत होते. कथावाचनाला जर पार्श्वसंगीताची, प्रकाशयोजनेची, नेपथ्याची जोड दिली तर ते अभिवाचन श्रोत्यांवर चांगला परिणाम करते व व दीर्घकाळ स्मरणात राहते.

(२) कथेच्या अभिवाचनाचा श्रोत्यांवर चांगला परिणाम होण्यासाठी पूरक असलेल्या गोष्टी लिहा.

(२) (६)

(आ) खालीलपैकी कोणत्याही <u>दोन</u> कृती सोडवा.

- (य) 'शोध' या कथेतील अनुचे स्वभावचित्र तुमच्या शब्दांत रेखाटा.
- (र) 'बापू गुरुजींचे गावासाठीचे योगदान' याबद्दल तुमचे मत लिहा.
- (ल) भिडे दाम्पत्याची सामाजिक बांधिलकी स्पष्ट करा.
- (व) उचापतीखोर लोकांनी बापू गुरुजींना दिलेला त्रास तुमच्या शब्दांत विशद करा.



| | | विभाग ४ – उपयोजित मराठी | [88] | | |
|----------------------------------|---|---|------|--|--|
| कृती ४.(अ) | खाली | लपैकी कोणत्याही दोन कृती सोडवा : | (8) | | |
| (१) मुलाखतीचे स्वरूप स्पष्ट करा. | | | | | |
| | (२) | पाहितीपत्रकाचे वेगळेपण विशद करा. | | | |
| | (ξ) | अहवालाची प्रमुख अंगे लिहा. | | | |
| | (8) | व्यक्तिचित्रणात्मक वृत्तलेखाची वैशिष्टचे लिहा. | | | |
| (आ) | खाली | लपैकी कोणत्याही <u>दोन</u> कृती सोडवा : | (80) | | |
| | (१) | खालील मुद्द्यांच्या आधारे नोकरीसाठी व प्रवेशासाठी आलेल्या उमेदवाराला 'आतून' जाणून घेणे गरजेचे | | | |
| | | असते हे स्पष्ट करा : | | | |
| | | बौद्धिक क्षमता - ज्ञानाची पातळी जीवनविषयक दृष्टिकोननिर्णय क्षमता भाषेवरील | | | |
| | | प्रभुत्व गटनेतृत्त्व - यशाचे श्रेय. | | | |
| | (२) | खालील मुद्द्यांच्या आधारे 'माहितीपत्रकाची गरज' स्पष्ट करा : | | | |
| | | माहितीपत्रक म्हणजे विविध क्षेत्रांची नावे व त्यातील गरज लोकमत आकर्षित | | | |
| | | वेगळेपण व वैशिष्टिचे ग्राहकाचा फायदा. | | | |
| | (ξ) | खालील मुद्द्यांच्या आधारे 'अहवाल लेखनाची आवश्यकता' स्पष्ट करा : | | | |
| | | महत्त्वाचा दस्तऐवज अधिकृतता वस्तुनिष्ठ लेखन भविष्यातील | | | |
| | | योजनांसाठी मदत घडामोडींचा एकत्र आढावा. | | | |
| | (8) | खालील मुद्द्यांच्या आधारे 'वृत्तलेखांचे प्रकार' स्पष्ट करा : | | | |
| | बातमीवर आधारित व्यक्तिचित्रणात्मक मुलाखतीवर आधारित ऐतिहासिक | | | | |
| | | स्थळांविषयी विस्मयावर आधारित. | | | |
| | | विभाग ५ - व्याकरण व लेखन | | | |
| | | विभाग ५ = व्याकरण व लखन | [२०] | | |
| | _ | रण घटक व वाक्प्रचार. | | | |
| कृती ५. (अ) |) सूचनेर् | नुसार कृती कराः | (80) | | |
| | (8) | (य) योग्य पर्याय निवडा : | | | |
| | | किती आतून हसतात ती ! | (8) | | |
| | | वरील विधानाचे योग्य विधानार्थी वाक्य ओळखून लिहा : | | | |
| | | (१) ती आतून हसतात. | | | |
| | | (२) ती फार हसतात आतून. | | | |
| | | (३) ती आतून हसत राहतात. | | | |
| | | (४) ती खूप आतून हसतात. | | | |
| | | (र) सूचनेप्रमाणे सोडवा : | (१) | | |
| | | पुढचे सगळे मार्ग बंदच होते. | | | |
| | | (नकारार्थी वाक्य करा.) | | | |
| | (२) | (य) योग्य पर्याय निवडा : | (१) | | |
| | | 'पावलोपावली' या सामासिक शब्दातील समास ओळखून लिहा. | | | |
| | | (१) अव्ययीभाव समास | | | |
| | | (२) बहुव्रीही समास | | | |
| | | (३) द्वंद्व समास | | | |
| | | (४) तत्पुरुष समास | | | |

Practice Paper-2



| | | (₹) | 'चोरभय' या सामासिक शब्दातील समासाचे नाव लिहा. | (8) | |
|-----|-------------------------------------|------------------|--|------|--|
| | (ξ) | (य) | योग्य पर्याय निवडा : | (१) | |
| | | | श्रीधर पंतांनी बैलांना बांधले. | | |
| | | | या वाक्यातील प्रयोग ओळखा : | | |
| | | | (१) कर्तरी प्रयोग | | |
| | | | (२) कर्मणी प्रयोग | | |
| | | | (३) भावे प्रयोग | | |
| | | | (४) यांपैकी नाही. | | |
| | | (₹) | योग्य पर्याय निवडा : | (8) | |
| | | | कर्मणी प्रयोगाचे वाक्य ओळखून लिहा. | | |
| | | | (१) केशवने सदरा खरेदी केला. | | |
| | | | (२) स्वाती चित्र रंगवते. | | |
| | | | (३) त्यांनी शेळ्यांना बांधले. | | |
| | | | (४) यांपैकी नाही. | | |
| | (8) | (य) | योग्य पर्याय निवडा : | (8) | |
| | | | दमडिचं तेल आणलं, सासूबाईंचं न्हाणं झालं | | |
| | | | मामंजींची दाढी झाली, भावोजीची शेंडी झाली | | |
| | | | उरलं तेल झाकून ठेवलं, लांडोरीचा पाय लागला | | |
| | | | वेशीपर्यंत ओघळ गेला, त्यात उंट पोहून गेला. | | |
| | | | वरील काव्यपंक्तींतील अलंकार ओळखून लिहा. | | |
| | | | (१) अनन्वय | | |
| | | | (२) अर्थांतरन्यास | | |
| | | | (३) अपन्हुती | | |
| | | | (४) अतिशयोक्ती | | |
| | | (t) | उपमान ओळखा : | (8) | |
| | | | कर्णासारखा दानशूर कर्णच, | | |
| | | | वरील वाक्यातील उपमान ओळखा. | | |
| | (५) | (य) | 'आभाळाकडे डोळे लावणे' या वाक्प्रचाराचा अर्थ खालील पर्यायांतून ओळखून लिहा : | (१) | |
| | | | (१) ढगाकडे पाहणे. | | |
| | | | (२) पावसाची वाट पाहणे. | | |
| | | | (३) आकाश न्याहाळणे. | | |
| | | | (४) आभाळ पाहणे. | | |
| | | (t) | 'आभाळाकडे डोळे लावणे' या वाक्प्रचाराचा वाक्यात उपयोग करा. | (8) | |
| (आ) | खाली | लपैकी | कोणत्याही <u>एका</u> विषयावर सुमारे २०० ते २५० शब्दांत निबंध लिहा : | (8o) | |
| | (१) मी अनुभवलेला निसर्ग | | | | |
| | (२) माझा आवडता खेळ | | | | |
| | (३) घंटागाडीवरील कर्मचाऱ्याचे मनोगत | | | | |
| | (8) | | क्षक झालो तर | | |
| | (५) | युग तंः | त्रज्ञानाचे | | |